APPENDIX NO: 7

Additional Text With Sources: (Sources shown on p. 459.).
****

1 गोब्राह्मणमृतावेकाहः।

2 अन्धबधिरगर्भिणीगोभ्यश्च गजदुर्बल-
दुर्वारपशुमत्तोन्मत्तत्वरितपतितनिद्रितो-
दकाभ्यः पथोऽक्रमेत् ।

3 वारुणेनैव संशुद्धो जपाग्निहवनादिषु।
अधिकारी भवेन्मर्त्यो देवतानां च पूजने॥

4 गायत्र्या जपसाहस्रमाह्निको जप उच्यते।

5 अङ्गुलि पर्वणि दैवम्।

6 स्वभावशुचयो ह्यापो भूमिगता आकाशगताश्च।

7 कुसुम्भकुङ्कुमै रक्तं तथा लाक्षारसेन च।
प्रोक्षणेनैव शुद्ध्येत चण्डालस्पर्शने सदा॥

8 सर्वाभावे ब्राह्मणजातिमात्रात्।

9 यो यस्याददीत स तस्मै श्राद्धं कुर्यात्
पिण्डं च त्रिपुरुषं दद्यात्।

10 खरवराहोष्ट्रचण्डालसूतिकोदक्याश्ववादौ मासम्।
अविगवश्वाजादिव्यङ्कुजास्तिकादौ त्रिमासम्॥
चण्डालश्वपाकशशानां च षण्मासान्। गजगण्ड-
सारससिंहव्याघ्रमहापापिकृतघ्नानामष्टमासम्।

11 स्वल्पेन वा संविभज्य भूयिष्ठमादाय वसेत्।

12 चतुष्पदस्यैव पुनस्तेभ्योऽपि गृह्णीयात्
क्षीणांश्च बिभृयात्।

13 मौञ्जी दण्डकमण्डलु। भैक्षचर्याग्निकार्यं
च कूष्माण्डिभिः सदा जपः।

14 अत्यन्तार्घापहारे तु शय्यानामामिषस्य च।
संवत्सरार्धं कुर्वीत।

15 मूलानां कुसुमस्य च। मासार्धं तु व्रतं कुर्यात्।

QUOTATIONS TAKEN FROM VISNUSMRTI
****

QUOT.NO.	VISNU SMRTI: PAGE NO:	PLACE IN THE RECONSTRUCTED TEXT:
1.	448	80 a
2.	693	104 a
3.	707	227 V, a
4.	529	255 a
5.	683	271 a
6.	390	360 a
7.	384	395 a
8.	254	413 a
9.	269	413 b
10.	448	481 a
11.	283	662 a
12.	283	662 b
13.	544	775 a
14.	595	825 a
15.	595	825 b

****